



टेक-होम राशन

प्रलिमिन्स के लिये:

नीतिआयोग, विश्व खाद्य कार्यक्रम, एकीकृत बाल विकास सेवाएँ (ICDS), टेक होम राशन (THR)

मेन्स के लिये:

समाज के कमज़ोर वर्गों के लिये कल्याणकारी योजनाएँ, सरकारी नीतियाँ और हस्तक्षेप

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [नीतिआयोग](#) और [विश्व खाद्य कार्यक्रम](#) द्वारा सभी राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों में **टेक होम राशन-गुड प्रैक्टिस (Take Home Ration-Good Practices)** शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की गई थी।

विश्व खाद्य कार्यक्रम क्या है?

- यह विश्व का एक अग्रणी मानवीय संगठन है जो आवश्यकता के समय लोगों की जान बचाता है और लोगों को युद्ध, [प्राकृतिक आपदाओं](#) से उबरने में मदद करने के लिये खाद्य सहायता प्रदान करता है एवं [जलवायु परिवर्तन](#) के प्रभाव से सुरक्षा प्रदान हेतु शांति, स्थिरता और समृद्धिका मार्ग सुनिश्चित करता है।
- WFP को वर्ष 2020 में [नोबेल शांति पुरस्कार](#) प्रदान किया गया था।
- इसकी स्थापना वर्ष 1961 में ['खाद्य एवं कृषि संगठन' \(FAO\)](#) तथा ['संयुक्त राष्ट्र महासभा' \(UNGA\)](#) द्वारा अपने मुख्यालय रोम, इटली में की गई थी।
- यह [संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समूह \(UNSDG\)](#) का सदस्य भी है, जो [सतत विकास लक्ष्यों \(SDGs\)](#) को पूरा करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों एवं संगठनों का एक गठबंधन है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएँ:

- रिपोर्ट राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा टेक होम राशन मूल्य शृंखला के कार्यान्वयन में अपनाई गई अच्छी और नवीन प्रथाओं का एक सेट प्रस्तुत करती है।
- सरकार ने दूर-दराज़ के इलाकों तक पहुँचने के लिये इनोवेटिव मॉडलस को अपनाया।
- इसने जनभागीदारी और आँगनवाड़ी के स्थानीय नेटवर्क आदि के माध्यम से सरकार द्वारा अपनाए गए सामाजिक एवं व्यावहारिक मानदंडों, उत्पादन, निर्माण, वितरण, लेबलिंग, पैकेजिंग, पर्यवेक्षण, गुणवत्ता नियंत्रण तथा संशोधन आदि की सराहना की।

टेक होम राशन:

- भारत सरकार बच्चों के साथ-साथ गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं (PLW) के बीच पोषण में अंतर को भरने के लिये [एकीकृत बाल विकास सेवाओं \(ICDS\)](#) के पूरक पोषण घटक के तहत टेक होम राशन प्रदान करती है।
- यह दो तरह से घर पर उपयोग के लिये फोर्टीफाईड राशन प्रदान करता है:
 - आँगनवाड़ी केंद्रों पर टेक-होम राशन और गरमा-गरम भोजन।
 - यह कच्चे माल या पके हुए भोजन के पैकेट के रूप में दिया जाता है।

चुनौतियाँ:

- वितरण तंत्र में खामियाँ:
 - वितरण प्रणाली में दोषपूर्ण प्रथाओं और भ्रष्टाचार के कारण यह कार्य अत्यंत जटिल है और इसे ब्लैक मार्केट में भेजना आसान है।
- नमिन गुणवत्ता:
 - खरीद वभाग की लापरवाही के कारण कई बार माल खराब गुणवत्ता का होता है।
 - गोदाम और कोल्ड स्टोरेज की कमी के कारण अक्सर खाद्यान्न की बर्बादी होती थी।
- पारदर्शिता का अभाव:
 - समग्र वितरण तंत्र में पारदर्शिता का अभाव है क्योंकि यह रसद और उन पर नियंत्रण रखने के लियेशामलि वभिन्न अन्य तंत्रों की नगिरानी करने में लगभग असमर्थ है।
- अप्रभावी कार्यान्वयन:
 - उत्पाद को प्राप्त करने, छाँटने और वितरित करने के लिये पारंपरिक तरीकों का उपयोग प्रणाली को अक्षम बनाता है, जिससे खाद्यान्न की डलिवरी का प्रभावी रूप से कार्यान्वयन नहीं होता है।

अन्य समान सरकारी योजनाएँ:

- **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मशिन (NHM):**
 - NHM को भारत सरकार द्वारा वर्ष 2013 में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मशिन (वर्ष 2005 में शुरू) और राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मशिन (वर्ष 2013 में शुरू) को मिलाकर आरंभ किया गया था।
 - इसे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा कार्यान्वयित किया जा रहा है।
- **प्रधानमंत्री पोषण योजना (PM-POSHAN):**
 - सितंबर 2021 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1.31 ट्रिलियन रुपए के वित्तीय परियोजना के साथ सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में भोजन उपलब्ध कराने के लिये प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण या पीएम-पोषण को मंजूरी दी।
 - इस योजना ने स्कूलों में मध्याह्न भोजन के लिये राष्ट्रीय कार्यक्रम या मध्याह्न भोजन योजना (Mid-day Meal Scheme) की जगह ले ली।
- **राष्ट्रीय पोषण रणनीति:**
 - इस रणनीति का उद्देश्य सबसे कमजोर और गंभीर आयु समूहों पर ध्यान केंद्रित करते हुए 2030 तक सभी प्रकार के कुपोषण को कम करना है।

आगे की राह

- समय पर पोषण संबंधी लक्ष्यों को पूरा करने के लिये THR कार्यक्रम को और अधिक सुदृढ़ किया जाने की आवश्यकता है।
- वभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से आदर्श THR कार्यक्रमों की सर्वोत्तम पद्धतियों तथा वशिलेषणों को सीखने की आवश्यकता है।
- उत्पादन, वितरण, गुणवत्ता नियंत्रण, नगिरानी और प्रौद्योगिकी के उपयोग के मामले में THR के क्षेत्र में नवाचार की आवश्यकता है।

स्रोत: पी.आई.बी.